मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना–2016–2017

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर की आख्या

21.02.2017–27.02.2017

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2016–17 में संचालित रा0से0यो0 की चारों इकाईयों के सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ दिनांक 21.02.2017 को प्रातः 9 बजे ग्राम भूपेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में हुआ था। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ आर0सी0लाल, डॉ0 पी0 के0 गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मनीष, प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, पुवांरकाजी, सहारनपुर थे।** शिविर के उद्घाटन के समय डॉ0 पूनम, समाजसेवी रिछपालजी, **दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु** तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** ने सभी स्वयंसेवकों को 10–10 स्वयंसेवकों की टोली में बांट दिया तथा उनकी टोली का नामकरण करके उन्हें सात दिनों में होने वाले कार्यों से अवगत कराते हुए कार्य भार वितरित किये। तत्पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने ग्राम का सघन अवलोकन किया तथा विस्तृत

रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में श्री जनेश्वर जी ने स्वयं सेवकों को अपने विचारों से प्रेरित किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की गोष्ठी का विषय **विमुद्रीकरण देश के हित में था अथवा अहित में** था। इस परिचर्चा में लाल बहादुर टोली ने पक्ष में प्रभावशाली तरीके से अपने विचार रखे। संध्या के समय पास के ही मैदान में स्वयंसेवकों ने फुटबाल खेली। रात्रि में भोजन के पश्चात् शिवार्थियों ने कैम्प फॉयर का आयोजन किया जिसमें लडकियों ने पंजाबी नृत्य किया तथा लडकों ने गजल सुनाई। इसके अतिरिक्त सभी ने अपने दिन भर के अनुभवों को एक–दूसरे के साथ बांटा तथा उन पर विचार विमर्श किया। रात्रि 11.00 बजे सभी स्वयंसेवक सोने के लिये अपने–अपने कक्षों में चले गये।

शिविर के दूसरे दिन प्रातः 5.00 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा 5.30 बजे तक नित्य कर्मों से निवृत होकर योग के लिये तैयार हो गये। 8.00 बजे नाश्ते के पश्चात् सभी

स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के साथ यहां पास में ही स्थित ऐतिहासिक सिकरी मन्दिर के भी दर्शन के लिये गये जहां स्वयंसेवकों को एक अलग प्रकार की आध्यात्मिक अनुभूति हुई उस मन्दिर के अंदर एक वृक्ष ऐसा भी था जो हमारे क्रांतिकारियों के बलिदान की याद दिलाता था। छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में ग्राम के मलिन क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया तथा कई क्षेत्रों की साफ–सफाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता के लाभों से अवगत कराया तथा छात्राओं ने प्रश्नावली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनगणना कार्य किया। इन सभी कार्यों के बीच ग्रामीणों को स्वछता के विषय में भी अवगत कराया गया। दोपहर मुंशी प्रेमचंद की टोली को भोजन की व्यवस्था देखनी थी जिसे उन्होंने अत्यन्त कुशलता के साथ निभाया। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अतिथी श्री किशन जी थे उन्होंने सामाजिक जीवन की संरचना एवं सामूहिक परिवार के महत्व पर प्रकाश डाला। आज छात्र–छात्राओं के बीच कम ऊर्जा में **भोजन बनाने की प्रतिस्पर्धा** का आयोजन हुआ जिसमें उनके साथ–साथ शिविर में उपस्थित अन्य लोगों ने भी बढ–चढकर हिस्सा लिया। इस प्रतिस्पर्धा में रानी लक्ष्मीबाई टोली ने विशेष प्रकार से भोजन तैयार कर या

संदेश दिया किया कि ऊर्जा की बचत किस प्रकार की जा सकती है। रात्रि में भोजन के पश्चात् शिवार्थियों ने कैम्प फॉयर के समय गांव के लोगों के साथ बातचीत की तथा उनके स्थानीय ग्रामीण परिवेश के विषय में निकट से जानकारी हासिल की। कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने यहां के लोकगीतों को रागनी के माध्यम से सुनाया जिससे सभी स्वयंसेवक प्रभावित हुए तथा उनमें से कुछ ने इस विधा को सीखने का भी प्रयास किया। उसके पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने आज दिन की डायरी को पूरा किया तथा दिन भर के अपने अनुभवों का ब्यौरा उस डायरी पर उतारा।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः निर्वत कार्यों से निपटकर योग के समय कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** ने रा0 से0 यो0 के लक्ष्य गीत के पश्चात् स्वयं सेवकों को आत्मदर्शन कराने का उपाय बताया जिसमें उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शिविर स्थल पर बैठे–बैठे ही ग्राम सीकरी घुमाने का अनुभव कराया। आज सभी स्वयंसेवकों ने ग्राम की दिवारों पर सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कषक नारे लिखे तथा नुकक्ड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आर्कषित किया। छात्राओं ने

ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर–घर जाकर साक्षरता एवं साफ–सफाई का महत्व बतलाया। यहां के ग्रामीण क्षेत्र में बहुधा एक समस्या देखने को मिली है कि यहां लोगों के पास राशनकार्ड नहीं है। आज रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरस्वती टोली ने प्रथम, लक्ष्मीबाई टोली ने द्वितीय तथा लीलीबाई टोली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आज इसी दौरान कुछ एन0एस0एस0 के पुराने स्वयंसेवक भी शिविर स्थल पर पहुंच गये तथा उन्होंने अपने पहले अनुभव बताते हुए नये स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **मलिन बस्तियों में सरकारी योजनाओं की सार्थकता** था। जिसमें हमारे अतिथी श्री ब्रजभूषण्जी, समाजसेवी ने अपने विचारों प्रकट किया। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ तो जागरूकता की कमी है और कुछ सरकारी रवैया भी उपेक्षापूर्ण है जिसके परिणाम स्वरूप सरकारी योजनाओं को लाभ ग्रामीण को उचित रूप से नहीं मिल पा रहा है। आज कैम्प फॉयर के समय गीत–संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्र–छात्राओं ने पूरे मनोयोग से भाग लिया तथा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की तथा आपस में मंनोरंजन के लिये गायन के भी प्रोग्राम किये इसके अतिरिक्त कुछ

समस्याओं पर नुक्कड नाटक भी तैयार किये गये जिनका प्रदर्शन गांवों की चौपाल पर करना तय किया गया जिससे कि ग्रामीण समाज की पुरातन विचारधारा में कुछ परिवर्तन करके उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र –छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोहित तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योगा कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलाहार करेगें। इसके पश्चात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी यहां यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक ग्रामीणों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु ग्रामीणों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनके काम आयेगा। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अशिक्षा, अज्ञानता एवं रुढिवादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब ग्रामीण के

बीच पहुंच कर उनसे बात करते थे तो अनेक ग्रामीणों ने उन्हें सरकारी अधिकारी समझ लिया तथा उनसे बचने का प्रयास किया उस स्थिति में हमारे स्वयंसेवकों ने उन्हें रा0 से0 यो0 के विषय में बताया तथा उनका भ्रम दूर करते हुए उनकी मदद का प्रयास किया। उनके इन प्रयासों का ग्रामीणों द्वारा खुले हृदय से स्वागत किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी में आज स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत श्री फारूक तथा श्री दुष्यन्त जी आये उन्होंने उक्त विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया तथा बताया कि हर घर में शौचालय की व्यवस्था के लिये सरकार पूरी तरह प्रतिबद्व है तथा उन्होंने इसके साथ ही स्वयंसेवकों का आहवान इस मिशन से जुडने के लिये किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका छात्र संघ अध्यक्ष श्री योगेश तिवारी की रही। आज दोपहर के समय प्राचार्य महोद्य ने शिविर का औचक निरीक्षण किया साथ में श्री हरीश कुमार भी थे। प्राचार्य महोद्य ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए पूरे शिविर का निरीक्षण किया तथा स्वयंसेवकों को सुझाव देते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की। रात्रि में् शिवार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसके अन्तर्गत कव्वाली प्रतियोगिता आयोजित

हुई। जिसमें भावना, शुभांशी, निखिल, मोहित, प्रशान्त नेहरा ने अच्छा प्रदर्शन किया।

शिविर के पांचवे दिन छात्र –छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूपेन्द्र जी ने सहज योग की विधि बतायी थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काफी संख्या में ग्रामीण लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके पश्चात् स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को सरकार द्वारा उनके लिये चलायी जा रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरुकता को प्रबल करने के लिये एक सामूहिक अभियान चलाया जिसमें नुक्कड नाटक के माध्यम से दहेज, नशा, प्रदूषण तथा जुआ इत्यादि जैसी बुराईयों पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **कृषि बनाम औद्योगिक विकास–देश के विकास में क्या अधिक सहायक है** था जिसमें हमारे मुख्य वक्ता श्री रीछपाल जी थे। इस गोष्ठी में दानिश, किशनपाल, भावना, रीतु, गुंजन ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया तथा कृषि को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ की हड्डी बताया। आज सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित हुयी जिसमें

स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्ण तरीके से प्रतिभाग किया इस प्रतियोगिता में विशाल, ज्योति, कामना, आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन सर्वाधिक पुरूस्कार विशाल ने जीते। आज लायंस क्लब के माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों ने रक्तदान शिविर लगाकर 36 यूनिट रक्त दान दिया। रक्त दान प्राप्त करने के लिये लांयन्स क्ल्ब की टीम सांय 3 बजे शिविर स्थल पर पहुंची तथा जिसमें डॉ0 तोमर ने रक्तदान के विषय में स्वयंसेवकों के मन में उत्पन्न भ्रम को दूर किया तथा रक्त दान के लिये प्रेरित किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने रक्तदान के लिये अपना पंजीकरण कराया इसके पश्चात् 35 और स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिये पंजीकरण कराकर अपना रक्त दान किया। इस सब विधि में शाम के 6 बज गये। तत्पश्चात् सभी लोगों ने थोडी देर आराम कर शाम के भोजन का प्रबन्ध किया तथा 9 बजे तक भोजन कर कैम्प फॉयर का आयोजन किया, जिसमें ग्रामीण लोगों ने स्वयंसेवकों के साथ पुरानी कहावतों पर चर्चा की तथा वे प्राचीन कहावतें आज के समय में कितनी सही हैं इस पर चर्चा की।

शिविर के छठें दिन प्रातः सत्र में स्वयंसेवकों ने **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत** एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 छवि त्यागी, सह–सचिव, डॉ के0 एन0 मोदी फॉउन्डेशन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सरकार के द्वारा चलायी जाने वाली अनेक योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही डॉ0 छवि त्यागी ने हमारे महाविद्यालय में दो दिन अपनी हैल्प डैस्क लगाने का वादा किया जिसमें हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थी यदि चाहें तो बिल्कुल निःशुल्क रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्विक सत्र के अन्तर्गत सहज योग से संबधित कार्यक्रम हुआ जिसमें सहज योग के स्टेट इनस्ट्रेक्टर, डॉ0 भूपेन्द्र त्यागी, मेरठ सैन्टर के कॉर्डिनेटर श्री जगवीर सिंह जी, मोदीनगर सैन्टर के कॉर्डिनेटर श्री रीतेश राय जी तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 आर0 सी0 लाल साहब के अतिरिक्त लगभग मोदीनगर एवं मेरठ क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। संध्या के समय मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें स्वयंसेवको ने बढ–चढकर हिस्सा लिया इसमें संजना, गुड्डी, कामना ने प्रतिभाग किया तथा अपनी मेंहदी कला का प्रदर्शन किया। आज सांस्कृतिक कार्यक्रम के

अन्तर्गत छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। रात्रि में भोजन के पश्चात् शिवार्थियों ने कैम्प फॉयर के समय अपने द्वारा किये गये पूर्व कार्यों की समीक्षा की तथा अन्तिम दिन को प्रस्तुत किये जाने वाले समापन समारोह में किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारी की। इसके अन्तर्गत नुक्कड नाटक, नृत्य, गायन तथा रागनी की विशेष तैयारी की गई इसके अतिरिक्त इस बात पर भी विश्लेषण हुआ कि इन छः दिनों में ग्रामीण समस्याओं का विश्लेषण किया उनका क्या सरल समाधान हो सकता है। इसके लिये स्वयंसेवकों ने अपनी–अपनी टोली की रिपोर्ट तैयार की तथा यह सुनिश्चित किया कि ये रिपोर्ट किसी सक्षम अधिकारी के समक्ष रखी जाये जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र की समस्या का कुछ समाधान हो सके।

शिविर के अन्तिम तथा सांतवे दिन छात्र –छात्राओं ने ग्रामवासियों के सहयोग के लिये उन्हें धन्यवाद देने हेतु ग्राम का भ्रमण किया इसके साथ ही उन्हें आश्वासन भी दिया कि उनकी समस्याओं को शासन के समक्ष रखकर कुछ न कुछ समाधान निकालने का अवश्य प्रयत्न किया जायेगा। 1 बजे शिविर में पहुंचकर स्वयंसेवकों ने भोजन तैयार किया । दोपहर लगभग 3 बजे प्राचार्य महोद्य डॉ0 आर0 सी0 लाल साहब, विशिष्ट अतिथि

डॉ0 भूपेन्द्र त्यागी उनके दो सहायक तथा ग्राम के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसमें स्वयंसेवकों ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें दहेज प्रथा, एवं समाज में महिलाओं के साथ छेडछाड से संबधित समस्याओं को दर्शाते हुए आदित्य, रीतु, अमित इत्यादि ने नुक्कड नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र–छात्राओं ने इस सात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निखिल ने सभी स्वयंसेवकों के प्रयासों से क्रय की गये एक सन्दूक एवं 50 खाने की तश्तरी महाविद्यालय के एन0एस0एस0 इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने सात दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल सात दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहां सिखा है उन आदर्शों को जीवनपर्यन्त निभाना है। अन्त में प्राचार्य महोद्य ने रा0से0यो0 के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन की विधिवत् घोषणा करते हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतायें जिससे कि

उनमें भी समाज के प्रति अपने कर्तव्यों जागृत हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक–दूसरे से विदाई ली।

शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	29
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	38
3	प्रौढ शिक्षा प्रदान करना	23
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	56
5	वृक्षारोपण करना	72
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	11
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	19
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	24
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	36
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	54
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	9
12	रक्तदान किया	36

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ0 मयंक मोहन